UNIVERSITY NEWS 20 MARCH 2026

AMAR UJALA

कंप्यूटर विज्ञान से जुड़े कोर्स अब ओएनजीसी भवन में पढ़ाए जाएंगे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अब कंप्यूटर विज्ञान विभाग से जुड़े से सभी विषय ओएनजीसी भवन में पढ़ाए जाएंगे। ये निर्णय कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने लिया है। इस संबंध में कुलपति ने बृहस्पतिवार को इस भवन का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कंप्यूटर विज्ञान के विभागाध्यक्ष को निर्देश देते हुए कहा कि बीसीए एआई, बीसीए साइबर सिक्योरिटी, एमएससी एआई और साइबर सिक्योरिटी डिप्लोमा कोर्स ओएनजीसी भवन में नए सत्र से पढ़ाए जाएंगे। इस दौरान कुलपति ने सभी तलों पर स्वच्छता को प्राथमिकता देने पर बल दिया। जल्द ही ओएनजीसी भवन के लिए नए निदेशक की नियुक्ति की जाएगी। (संवाद)

पीएचडी की प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी कर दिए है। परीक्षा 30 मार्च से 31 मार्च तक होगी। प्रवेश पत्र www.lkouniv.ac.in के समर्थ पोर्टल से डाउनलोड कर सकते है। (संवाद)

लविवि की डॉ. मधु को अनुदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतुविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मधु गुप्ता को केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद से 18.5 लाख रुपये का शोध अनुदान मिला है। यह अनुदान मेटाबॉलिक बोन डिजीज (अस्थि रोग) के इलाज के लिए पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन पर उनके शोध के लिए दिया गया है। इस अध्ययन में हड्डियों की मजबूती बढ़ाने, मिनरल घनत्व सुधारने और फ्रैक्चर के खतरे को कम करने पर काम किया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

सटीक प्रॉम्प्ट से एआई देगा बेहतर परिणाम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वाणिज्य विभाग के भाऊराव देवरस शोध पीठ की ओर से आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के चौथे दिन प्रथम सत्र में बृहस्पतिवार को चैटजीपीटी समेत अन्य एआई टूल्स पर चर्चा हुई। बताया गया कि एआई टूल्स में बेहतर परिणाम पाने के लिए सही व सटीक प्रॉम्प्ट जरूरी है। संचालन अविरल सिंह ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन समेत आदि उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लविवि : विज्ञापन कंपनी में रोजगार पाने का मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल ओडनेस्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में अलग-अलग पदों पर भर्ती के लिए युवाओं के आवेदन मांगे हैं। यहां चयनित युवाओं को 17 हजार रुपये प्रति माह से लेकर आठ लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा।

लविवि प्लेसमेंट सेल के मुताबिक मार्केटिंग, ग्राहक समन्वय, विज्ञापन क्षेत्र में काम करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च है।

यहां 12 से 25 हजार वेतन, 25 तक कर सकेंगे आवेदन : स्वदेश ग्राफिक्स व डिजाइनिंग में एरिया सेल्स मैनेजर, ऑफिस सुपरिंटेंडेंट, ग्राफिक्स डिजाइनर जैसे पदों पर भर्ती की जा रही है। इन पदों के लिए फ्रेशर व अनुभवयुक्त दोनों आवेदन कर सकते हैं। योग्यता अनुसार 12 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक वेतन दिया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी 25 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि आज

> इच्छुक विद्यार्थी इन दोनों कंपनियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी मौका मिलेगा।
> - **प्रो. अनूप भारतीय,** निदेशक, लविवि कैंपस प्लेसमेंट सेल

NBT

ONGC बिल्डिंग में चलेंगे AI और साइबर सिक्योरिटी कोर्स

NBT न्यूज, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओएनजीसी बिल्डिंग में कंप्यूटर साइंस विभाग के AI और साइबर सिक्योरिटी के कोर्स की पढ़ाई होगी। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने गुरुवार को बिल्डिंग का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता, मरम्मत और शैक्षणिक उपयोगिता को लेकर कड़े निर्देश दिए। कुलपति ने सत्र 2026-27 से यहां कंप्यूटर विज्ञान विभाग के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) और साइबर सिक्योरिटी के नए कोर्स शुरू किए जाने की घोषणा की।

इन कोर्सेज में बीसीए (AI) और बीसीए (साइबर सिक्योरिटी) की 60-60 सीटें, जबकि एमएससी और पीजी डिप्लोमा की 30-30 सीटें प्रस्तावित हैं। प्रो. सैनी ने खाली कमरों को विभागों की जरूरत के अनुसार आवंटित करने और बिल्डिंग के बेहतर प्रबंधन के लिए जल्द ही नए निदेशक की नियुक्ति करने की बात कही।

भवन के रखरखाव की जिम्मेदारी सुपरिंटेंडेंट वर्क्स को सौंपी गई है, जिन्हें तत्काल मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश मिले हैं। वहीं, सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रो. एनके सिंह की देखरेख में विशेष टीम लगाई जाएगी। कुलपति की इस पहल से न केवल कैंपस की अधोसंरचना बेहतर होगी, बल्कि छात्रों को विश्वस्तरीय तकनीकी शिक्षा के नए विकल्प भी मिलेंगे।

शिफ्ट होगा कंप्यूटर साइंस विभाग, कुलपति ने दिए निर्देश

HINDUSTAN

आईआईटी जैम में 45वीं रैंक मनप्रियम की

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र मनप्रियम ने आईआईटी जैम प्रवेश परीक्षा में ऑल इंडिया 45वीं रैंक हासिल कर मान बढ़ाया है। बीएससी छठे सेमेस्टर के छात्र मनप्रियम ने गणित विषय में आईआईटी जैम की परीक्षा दी थी। मनप्रियम ने सफलता का श्रेय शिक्षकों और माता-पिता को दिया है। हिन्दनगर में रह रहे लखीमपुर-खीरी के मूल निवासी मनप्रियम की माता पंखुड़ी गृहिणी और पिता यदुनाथ सिंह मुरारी किसान और रचनाधर्मी हैं।

डॉ. मधु को 18.5 लाख का शोध अनुदान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग की डॉ. मधु गुप्ता को केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद की ओर से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट योजना के तहत 18.5 लाख का अनुसंधान अनुदान मिला है। यह अनुदान उनकी उस परियोजना के लिए है, जिसमें मेटाबॉलिक बोन डिजीज के इलाज के लिए पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन पर शोध किया जाएगा।

एलयू में एआई, साइबर सुरक्षा में बीसीए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नई टेक्नोलॉजी से जुड़े पाठ्यक्रमों को शुरू करने की तैयारी है। आगामी शैक्षिक सत्र 2026-27 से ओएनजीसी भवन में बीसीए एआई, बीसीए साइबर सुरक्षा 60-60 सीटों और एमएससी एआई या साइबर सुरक्षा व पीजी डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी 30-30 सीटों पर शुरू किया जाएगा। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने गुरुवार को कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष को निर्देश दिए।

AMRIT VICHAR

लविवि में एनएसएस शिविर के प्रतिभागी ।

एनएसएस विशेष शिविर का आयोजन

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग ने सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का आयोजन किया। डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी और डॉ. अन्विता वर्मा के नेतृत्व में दो इकाइयों के 50-50 छात्र शामिल हुए। प्रतिभागियों ने मनकामेश्वर वार्ड में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया। डॉ. आर. के. त्रिपाठी ने मानसिक स्वास्थ्य पर व्याख्यान दिया।

DAINIK JAGRAN

घरों में बनाए नन्ही गौरैया के आशियाने, परिवार की तरह रखते हैं ख्याल

जासं, लखनऊ : कभी शहरों से लगभग गायब होने वाली नन्ही गौरैया की चहचहाहट अब फिर से घरों के आंगन, खिड़कियों और छतों पर सुनाई देने लगी है। लोगों की बढ़ती जागरुकता, घरों में घोंसलों के लिए जगह बनाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों से वह फिर धीरे-धीरे वापस आ रही हैं। लखनऊ में कई ऐसे गौरैया प्रेमी हैं जिन्होंने अपने घरों में बड़े स्तर पर गौरैया का आशियाना बना रखा है। सुबह नियमित दाना पानी देना...परिवार में बच्चों की तरह उनकी देखभाल करना, प्रकृति के अनुरूप उनको वातावरण देना...ये सब गौरैया प्रेमियों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। यही वजह है कि कई वर्षों से लगातार गौरैया की संख्या बढ़ रही है। 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस के उपलक्ष्य में एक रिपोर्ट-

हर साल बांटती हैं घोंसले, दाना और पानी के मटके : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अमिता कनौजिया ने गोमती नगर के अपने घर में गौरैया का आशियाना बना रखा है। वह बताती हैं कि 2009 में गौरैया घरों में लगभग आना बंद हो चुकी थीं, तभी सोचा कि इनके संरक्षण का बीड़ा उठाया। हर साल लकड़ी के घोंसले बनवाकर लोगों में बांटने का काम शुरू किया। उसके साथ में गौरैया का भोजन (काकून, बाजरा) और पानी का मटका भी देते हैं। अपने घर में भी गौरैया के लिए 30 लकड़ी के घोंसले लगा रखे हैं। उसमें गौरैया के बच्चे रहते हैं। समय से उनको दाना पानी देती हूं। प्रोफेसर अमिता बताती हैं कि गौरैया संरक्षण के लिए हर साल घर में लकड़ी के घोंसले बनवाकर लखनऊ व आसपास वितरित करते हैं। लोगों को जागरूक करने के लिए गौरैया मित्र नाम से व्हाट्सअप ग्रुप भी बना रखा है, जिसमें 90 लोग जुड़े हैं।

घर के आधे हिस्से में गौरैया का आशियाना : कल्याणपुर स्थित बसेरा विहार निवासी अब्दुल वाहिद 2016 से गौरैया संरक्षण में लगे हैं। उन्होंने अपने घर के 1300 वर्ग फुट हिस्से को गौरैया संरक्षण केंद्र के रूप में बना रखा है। उन्होंने यहां 50 से 60 घोंसले बना रखे हैं।

वह बताते हैं, 'सुबह पांच बजे रोज उठता हूं ताकि गौरैया का दाना और पानी लगा सकूं। किसी दिन थोड़ी देर हो जाए तो गौरैया की चहचहाहट तेज होने लगती है, मानो कह रही हों कि दाना चाहिए' आवाज से समझ जाता हूं। मैं अपने परिवार से ज्यादा गौरैया को महत्व देता हूं। गौरैया के साथ फाख्ता और लाल चिड़िया भी आती हैं। हर दिन चिड़ियों को चार से पांच किलोग्राम दाना देते हैं।

कल्याणपुर निवासी अब्दुल वाहिद ने इस तरह लगा रखे हैं घोंसले और प्रो. अमिता कनौजिया बनवा रहीं हैं गौरैया के घोंसले • सौजन्य : स्वयं

NBT

डॉ. मधु को ₹18.50 लाख की रिसर्च ग्रांट

NBT न्यूज, लखनऊ: एलयू के जंतुविज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रफेसर डॉ. मधु गुप्ता को आयुष मंत्रालय के 'केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद' ने 18.5 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया है। यह ग्रांट उन्हें 'मेटाबॉलिक बोन डिजीज' (अस्थि रोगों) के उपचार के लिए पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन पर शोध के लिए मिली है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक यूनानी चिकित्सा के माध्यम से हड्डियों की मजबूती बढ़ाने और फ्रैक्चर के जोखिम को कम करने वाली किफायती चिकित्सा पद्धति विकसित करना है।

AMRIT VICHAR

डॉ. मधु गुप्ता को मिला शोध अनुदान

अमृत विचार , लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतुविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मधु गुप्ता को पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन के मेटाबॉलिक बोन डिजीज पर अध्ययन हेतु आयुष मंत्रालय द्वारा अनुसंधान अनुदान दिया गया है। डॉ. मधु गुप्ता को एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट योजना के अंतर्गत 18.5 लाख रुपए का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया है। डॉ. मधु गुप्ता का शोध मेटाबॉलिक बोन डिजीज (अस्थि संबंधी रोगों) के उपचार हेतु पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन पर केंद्रित है। इस शोध का उद्देश्य अस्थियों की मजबूती बढ़ाने, खनिज घनत्व सुधारने और फ्रैक्चर जोखिम कम करने में पॉलीहर्बल फॉर्मुलेशन की चिकित्सीय क्षमता का वैज्ञानिक मूल्यांकन करना है।

ओएनजीसी बिल्डिंग का निरीक्षण करते कुलपति।

अब ओएनजीसी बिल्डिंग में चलेंगी बीसीए की कक्षाएं

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में बीसीए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बीसीए साइबर सिक्योरिटी, एमएससी, साइबर सिक्योरिटी, स्नातकोत्तर डिप्लोमा, साइबर सिक्योरिटी की कक्षाएं अब ओएनजीसी बिल्डिंग के खाली कमरों में संचालित की जाएंगी। इसे लेकर कुलपति ने कंप्यूटर विभागाध्यक्ष को निर्देश दिया है। कुलपति ने ओएनजीसी बिल्डिंग का दौरा किया और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने निर्देश दिया कि सभी स्वच्छकारों को प्रो. एन.के. सिंह की देखरेख में कार्य करने के लिए लगाया जाए।

एआई से पीएचडी थीसिस लिखना बना मुसीबत

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 2024–25 सत्र के दौरान जमा की गई पीएचडी थीसिस पर प्लेजरिज्म का आरोप लगा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक होने पर इसे निरस्त कर दिया जाता है जबकि विश्वविद्यालय छात्रों ने इससे अधिक प्रयोग किया है। यह खुलासा ड्रिलबिट सॉफ्टवेयर से हुआ है जो कि इंटरनेट से कॉपी की गई सामग्री और एआई की मदद लेने पर तथ्यों का खुलासा करता है। आंकड़ों के अनुसार 121 में से 116 थीसिस में काफी समानता पाई गई है, जो कि यह संकेत देता है कि कई मामलों में शोध कार्य सोचने की प्रक्रिया से अधिक "जनरेट" करने का माध्यम बनता जा रहा है। विश्वविद्यालय इस मामले को लेकर गंभीर है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता और एआई के विशेषज्ञ डॉ. मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि नियम से अधिक प्लेजरिज्म पाया जाता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाता। यह नियम सभी विश्वविद्यालयों पर लागू हैं और लखनऊ विश्वविद्यालय इस मामले में सख्त है। कई शोधार्थियों का कहना है कि पहले मेहनत और शॉर्टकट कागज पर एक जैसे दिखते थे, लेकिन अब दोनों के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से मापा जा रहा है। लाइब्रेरी में बिताए गए लंबे घंटे अब मायने रखने लगे हैं।

VOICE OF LUCKNOW

विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका पर मंथन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) लखनऊ के तत्वावधान में 19-20 मार्च 2026 को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन और एनएसएस लक्ष्य गीत के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली के प्रतिनिधि एवं युवा अधिकारी कोमल सिंह ने कहा कि मैं नहीं, तुम का मूल मंत्र भले छोटा लगे, लेकिन इसका उद्देश्य अत्यंत व्यापक और प्रभावशाली है। उन्होंने बताया कि एनएसएस ने 40 हजार स्वयंसेवकों से बढ़कर आज 40 लाख स्वयंसेवकों तक का सफर तय किया है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने एनएसएस एलुमिनी के गठन और एनआईएस पोर्टल की शुरूआत की भी जानकारी दी, जहां एनएसएस से जुड़ी सभी गतिविधियों का डाटा उपलब्ध रहेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरेंद्र कुमार ने कहा कि यह सम्मेलन एनएसएस के विकास को नई दिशा देगा। राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने एनएसएस को एक जीवनशैली बताते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित होने का आह्वान किया। क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना ने बताया कि देश के केवल तीन राज्यों में इस प्रकार के आयोजन हो रहे हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता माय भारत, उत्तर प्रदेश के राज्य निदेशक अनिल सिंह ने की, जबकि डॉ. नीरज कुमार ने माय भारत पोर्टल की विस्तृत जानकारी देते हुए युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह पोर्टल 15 से 29 वर्ष के युवाओं को समाज सेवा, कौशल विकास और प्रशिक्षण से जोड़ने का माध्यम है। द्वितीय तकनीकी सत्र में सैक्रेट हार्ट डिग्री कॉलेज, सीतापुर के प्राचार्य डॉ. जॉन्सन जेवियर की अध्यक्षता में एनएसएस पुरस्कार प्राप्त युवा वक्ताओं–मोहित शर्मा, अंकुर मिश्रा, तनिषा त्रेहन और लक्ष्य–ने विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण और नेतृत्व विकास जैसे विषयों पर विचार साझा किए। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाने और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान मजबूत करने पर बल दिया। तृतीय सत्र में पूर्व राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. अंशुमाली शर्मा ने स्वयंसेवा को समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस न केवल सामाजिक बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का भी माध्यम है।

TIMES OF INDIA

LU student gets 45th rank in IIT-JAM

Manpriyam, a student of Lucknow University, has secured AIR 45 in the IIT-JAM entrance examination. He is pursuing BSc mathematics and appeared for IIT-JAM in the mathematics stream. The achievement has opened the doors for his admission to country's top institutions for advanced education and research in mathematics. Manpriyam credited his success to his teachers and parents. He hails from Lakhimpur Kheri.